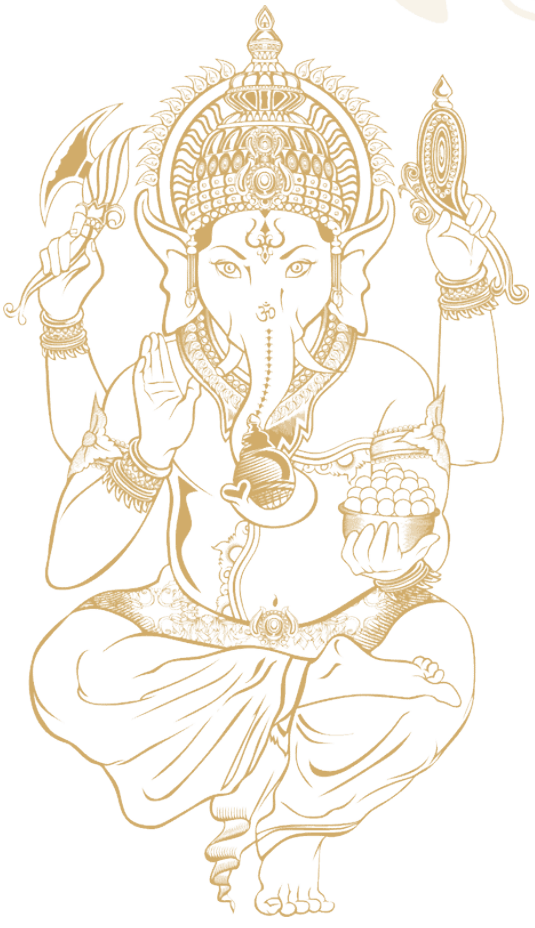

Suraj Nidhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121344808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/01/1998	जन्म तिथि	28/12/1998
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:20:00	जन्म समय	20:02:00 घंटे
घटी 25:08:30	जन्म समय(घटी)	31:49:06 घटी
India	देश	India
Kaithal	स्थान	Gwalior
29:47:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
76:29:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:36	सूर्योदय	07:03:44
17:57:40	सूर्यास्त	17:34:04
23:49:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 1मा 30दि	07:24:42	कर्क	लग्न	कर्क	15:49:56	केतु 1वर्ष 1मा 4दि
राहु	14:31:25	मक	सूर्य	धनु	12:48:26	चन्द्र
30/03/2009	17:46:41	मक	चंद्र	मेष	11:14:53	01/02/2026
30/03/2027	08:36:57	कुंभ	मंगल	कन्या	22:50:50	01/02/2036
राहु 11/12/2011	28:15:29	धनु	बुध	वृश्चि	22:47:35	चन्द्र 02/12/2026
गुरु 06/05/2014	04:31:58	कुंभ	गुरु	कुंभ	27:37:01	मंगल 03/07/2027
शनि 12/03/2017	26:04:45	धनु व	शुक्र	धनु	27:17:11	राहु 01/01/2029
बुध 29/09/2019	21:20:46	मीन	शनि व	मेष	02:55:43	गुरु 03/05/2030
केतु 16/10/2020	16:57:28	सिंह व	राहु व	कर्क	29:22:33	शनि 02/12/2031
शुक्र 17/10/2023	16:57:28	कुंभ व	केतु व	मक	29:22:33	बुध 03/05/2033
सूर्य 10/09/2024	14:51:18	मक	हर्ष	मक	16:56:34	केतु 02/12/2033
चन्द्र 12/03/2026	06:08:50	मक	नेप	मक	07:05:52	शुक्र 03/08/2035
मंगल 30/03/2027	13:44:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:09:16	सूर्य 01/02/2036

लग्न-चलित

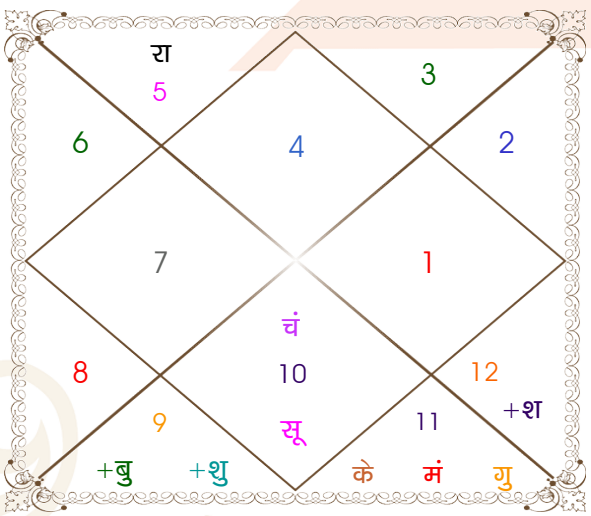

लग्न-चलित

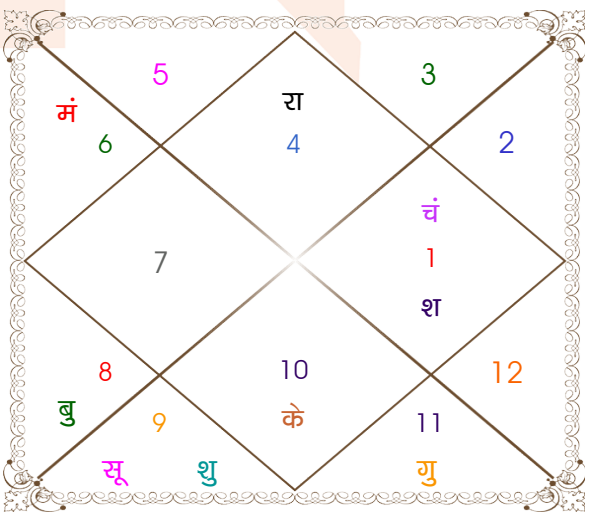

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Suraj का वर्ग मार्जार है तथा Nidhi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suraj और Nidhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Suraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Suraj कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Suraj कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Nidhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nidhi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Suraj तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।